

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, HISAR

Examination Session December -2021

(PART-A) TO BE FILLED BY THE CANDIDATE

University Roll No. 193048250198

Question Paper ID V-22

Name of Student Navcen Kumar

Class/Course B.A. III

Sem/Year 5th Sem

Paper Code 55204

Name of Paper POLS - 302 (Option - II)

Date of Exam 25-2-2022 Session (Morning/Evening) _____

Total No. of Pages written by candidate 20

Signature of the Student NAVCEN

(PART-B) TO BE FILLED BY THE EXAMINER

Details of Marks Obtained

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
a													
b													
c													
d													
e													
f													
g													
h													
Total													

Total Marks Obtained:

Maximum Marks:

Signature of the Examiner

Do Not Write Anything Back Side of This Page

Q.2

अन्तर्राष्ट्रीय समवंदो की व्याख्या

उत्तर → अन्तर्राष्ट्रीय समवंदो जैसे विकासोनुसारी विषय को परिमापिता करता हुआ जाता है। विभिन्न विद्याओं के मध्यमें से यह वायर और मुख्यमान का बन गया है। सबसे बड़ी → नामों में भूतमध्यम छोड़ इसी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के द्वारा हुए समवंदो।

इस जै मार्गोंचों वे थोड़ा-पसन इनका वदल के हुयोंन करता है पर पालिस वट्टन इसे अन्तर्राष्ट्रीय समवंदो नहीं है। केवल थोड़ा-पसन वे स्टैनले सिद्धांत विज्ञान

1. सामाजिक सिद्धांतों की समझावना

इनके अनुसार पर्यावरण द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय समवंदो के विषय में जानों का समृद्ध किया जाता है। जैसे मार्गोंचों ने समवंदो के आधार पर राजनीतिक व्यवाह राष्ट्रीय देश सिद्धांत का उत्पादन किया।

2. मूल्यों सम्बन्ध

विद्याओं की घरवाह है कि इनमें मूल्यों सम्बन्ध है। इनके अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध एक ऐसा समाज की व्यापक सम्बन्ध है।

(3) मनिषानी सम्बन्ध
की जो राजनी है।

हनुम अद्वार मनिषानी

(4) क्रमवधु और उपयोग

क्रमवधु का मानता है कि विजानी
की तरह अत्यंत धर्मात्मा का उपयोग किया
जा सकता है।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का दृष्टि

इसका दृष्टि निश्चियते की दृष्टि
में विदेशी मानती है परिषद ने अन्तर्राष्ट्रीय
1947 में क्लेशने की ओर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में
(5) विद्वानों पर उपयोग किया।

(1) राजनीतिकरण

इसके अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
के भूमिका की रूप में राजनीति का व्यवहार ने 1947-48
का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में वापिस किया। इसके द्वारा
उत्तर भूमि दो दो दो से अधिक राज्यों के संस्थानों
का उपयोग हो।

इन राज्यों में संबंध के बीच एक ऐसी
विचार सभा में आते हैं।

(2)

राजनीति

सरकार ने भावा करते हैं कि पर दिया जाता है

जो भी उन्हें मानते हैं

अन्य दलों की राजनीति

मानते हैं अपनी राजनीति की राजनीति है।

अन्य दलों की राजनीति की राजनीति है।

शास्त्रीय राजनीति की राजनीति है।

राजनीति के लिए साधन राजनीति है अन्य दलों

राजनीति के लिए किधारे नहीं है।

(3)

राजनीति की

यह एक राजनीति है जिसकी विश्वासी

एक राजनीति द्वारा राजनीति से जुड़े हुए नहीं

जाती है। यह निकल राजनीति की राजनीति है।

जो राजनीति स्थानीय राजनीति है।

इसी

राजनीति की

की लिए उन्हें बहारी के अनुभाव इनसे

जाती है। वास्तव में राजनीति की नीति को

जाती है। इनसे मानविकी राजनीति - 2 जाती है।

(5)

अत्तराधिकारी रक्षणात्मक व दोषित रक्षणा
 इनके द्वारा जो उम्मीद एवं स्थानांशु द्वारा रखी जाती है,
 यह एक जो की रक्षणात्मक व रक्षणात्मक वाहन है
 जैसे | विश्व बैंक, चारों पक्ष संघ, नाटो आदि।

(6)

आधिकारिक उपकरण

आजलना विदेशी रक्षणात्मक
 आदि एवं जो उम्मीद जो मार्गी वो दुनिया है,
 अतः विदेशी देशों जो ब्रिटेनरीले देशों की दिल्ली
 जाने वाले नहीं कर सकते तथा यहाँ वाला
 है जो हमें एक एवं दोनों है

(7)

सुदूर व राजि और वातिलिकियों

इनका सुदूर रो
 दूसरा - २ वास्तव है यह सुदूर नहीं की रक्षणात्मक
 और दाला जी जो रक्षणात्मक
 इन तथा सुदूर "आधिकारिक सुदूर" जो इसका
 भाग है।
 इसे बुनियार अत्तराधिकारी रक्षणात्मक सुदूर शामि
 न पर्याप्त देख चुके थे।

1

अवरोध लाभ

यदि विद्युत का उपयोग में बढ़ने के साथ ही इसकी विद्युतीय ऊर्जा का उपयोग में वृद्धि हो तो विद्युतीय ऊर्जा का उपयोग में वृद्धि हो जाएगा।

जल विद्युतीय

यदि जल समुद्र वहाँ हो तो आज
सारे जलों की जीव जलवाहिका वहाँ हो

आज जलों से अवरोधीय ऊर्जा का उपयोग हो
इन जलों को जलवाहिका विद्युतीय ऊर्जा का उपयोग हो

10

वायुमें चरण

हाय्ड्रोजन वायु सापेक्ष घरेलू वृद्धि
विद्युतीय ऊर्जा का उपयोग सापेक्ष विद्युतीय ऊर्जा
जलवाहिका विद्युतीय ऊर्जा का उपयोग हो

11 एग्जेंसी राम शास्त्री
अमेरिका व सोवियत राष्ट्र के।

महत्वपूर्ण तुलना लेना चाहिए। इनमें से अनेक हैं।
सोवियत सशस्त्र बलों की तुलना।

अमेरिका ते NATO, सोवियत CSEATO, CENTO
वाला में सोवियत CENTO एवं दोनों दोनों।

12 विचार धाराएँ
विचारधारा शास्त्री वे कहे दिया।
मैं कला दृष्टि साधुवाहिनी, नाभियोग, प्रारंभिक
मानवशक्ति एवं सम्बद्धि से देखे दिये।

13 पर्यावरण
पर्यावरण सदृश्यता में हुई है।
इस समय की तुल्य आठवीं वर्षायर तक
है जो पर्यावरण विभागीय जो दृष्टि पर्यावरण के
विभाग।
पर्यावरण एवं उत्तराधिकार व्यावयव। राष्ट्र एवं
विद्यालय सम्बद्धि तथा युद्धालय में स्पर्श
आया है।

(14)

पृष्ठी नंबर

देश द्वारा के संविधान में उन्नत
 सरकार अमानुष बुल देती है लोगों के लिए इसका राज
 प्रश्न गोंगे लोगों के लिए इसका लोगों के लिए राज
 न दूरिता दो नहीं

उत्तरपूर्ण सम्बन्ध के में तृतीय

समरूपता को समाधान करते

① पर्यावरण समस्या

② वृक्षों की समस्या

(5)

संविधान के नामी नामों की विवरण

① निरसनीयता

② अनुच्छेदार्थ

(6)

1929 राजनीति के विभिन्न विभाग नाम

(7)

राजनीति का विभाग विभिन्न के नाम

Roll No.(in figures)

193042250198

Code of Paper

55904

Q 6

राज्य राज्यों का अधीक्षण

यह वह विधानों के

जो राज्य राज्य 3147 फैले हैं और इनके लिए उपर्युक्त

राज्यों के विभिन्न विधानों में विभिन्न विधानों

यह वह विधानों के लिए विधान विधान विधान विधान

विधान विधान विधान

दिल्ली विधान विधान

राज्य राज्यों का अधीक्षण

①

विधान विधान के लिए विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान के लिए विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान के लिए विधान विधान विधान विधान विधान

इसे जो विधानों का विधान

②

यह विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान

अतः यह वह विधान विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान
विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान विधान

Page 8

Sign. of the Candidate

Naveen

विशेषताएँ

असमाधी स्वरूप

इसमें असमाधी नहीं होता।
लेकिन यह परिवर्तन की नहीं है।
आखत की राष्ट्रीय वाली के स्वरूप के जी में इसके लिए
परिवर्तन दुखा है।
इसमें असमाधी दुखी होने की सुरक्षा के
लिए आरामी आखत की दुखी होने की सुरक्षा की
आखत राष्ट्रीय कुछ तरफ स्वरूप के लिए
आम विश्वास के परिवर्तन है।

दोषात्मक स्वरूप

इसमें दोषात्मक स्वरूप
से आगे जाता है। यह राष्ट्रीय की राष्ट्रीय
विश्वास राष्ट्रीय की राष्ट्रीय की विश्वास की तरफ से
जाता है।
जातियों की राष्ट्रीय की विश्वास की तरफ से जाता है।
जातियों की विश्वास की तरफ से जाता है।

सापेक्षता

जब उस राष्ट्रीय द्वारा राष्ट्रीय की सापेक्षता
जापने वाली राष्ट्रीय की परिवर्तन विश्वास की तरफ
जापे जाते हैं।

(4)

किसी भी आलमान में इसका एक अंग
इस वाले पर रक्षा समाज भव रखता है।
आलमोन को दिया रखते बोलते हैं।
इसका लाभ उसकी विधि नहीं है।
परन्तु इसकी विधि आलमोन के लिए

आधार NATO में युद्ध घोटाला देता है।
युद्ध की आड़ी वह विश्व की लिए देता है।
एक विश्व

(5)

सभी राज्य आलमोन को देखते हैं।
एमान एवं संकाय इसके लिए देखते हैं।
आजार निकल देता है। आलमोन की
को आधा अर्थात् दो तीव्र दो तीव्र
तरों से दबाव ने आलमोन को देखते हैं।
वह उसके द्वारा आलमोन को देखते हैं।
उपर्युक्त

(6)

आलमोन के दो तीव्र दबाव
एक दबाव द्वारा दूसरे दबाव को
दबाव के दबाव के दबाव को देखते हैं।

Roll No.(in figures) 193042250198

Code of Paper _____

आगमनी का एक सिर्फ विद्युत विनियोगी उपकरण है।
⑦ इसका वास्तविक उपयोग यह है कि यह विद्युत ऊर्जा का उपयोग करके विद्युत का उत्पादन करता है।
इसका वास्तविक उपयोग यह है कि यह विद्युत का उत्पादन करता है।
अ) यह एक विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करता है।
ब) यह एक विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करता है।

उत्पादन का विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करता है।

Q. 5 मानवादी दृष्टिकोण के लिए मानवादी

यह दृष्टि अद्वितीय है।
इसने हम तत्त्व के परिवर्तन इसके लिए उपायों
के लिए।

दृष्टि का उपर्युक्त सिद्धांश जाग वा अपनी लक्ष्यों
परमाणु के लिए मानवी लिंगों के विप्रादन का
संबंध दृष्टि के लिए बनाता है।

किसी राज्य के समाज के दृष्टिकोण का वर्णन
आधुनिक भौगोलिक से विवरण लिया जा सकता है।
विश्व आघार परिवर्तन इसके दृष्टिकोण के
परिवर्तन के दृष्टिकोण के लिए।
विश्वासी व्यवस्था के दृष्टि विवरण का
एवं अन्य, मानवादी मानवी है। ये विवरण
किया दें।
इस दृष्टिकोण से विवरण करें।

पार्यवेक्षण दृष्टिकोण विवरण करना दें।
समाज के विवरण के लिए विश्वासी दृष्टिकोण
के दृष्टिकोण का विवरण करें।
इसके विवरण आलोचनात्मक दृष्टिकोण
विश्वासी विवरण के लिए विवरण करें।

Q. 1

2154

(a)

ଦ୍ୱାରା ଲେଖିଥିଲା

(c) 1914

~~କାନ୍ତି~~~~ମହାକାଳ~~

(d)

(e) (All) ~~ବ୍ୟକ୍ତିଗତ~~ କିମ୍ବା ~~ବ୍ୟକ୍ତି~~ କିମ୍ବା ~~ବ୍ୟକ୍ତି~~

(f)

ବ୍ୟକ୍ତିଗତ

(g) World social form

(h) ଜୀବିତ

(3)

मानविकी का संस्करणात्मक रूप होते हैं।

यह एक विश्व राजनीति विभव व्यवस्था नामक
प्राचीनता में है।

इस अभिविद्या का उत्तराधिकार व्यवस्था है।

यह मानव ही ने विश्व राजनीति विभव व्यवस्था
में है।

मानविकी वे वे प्रभुत्वादी आदर्शों के व्यवस्था
द्वारा संरचना के अधिकारी नियन्त्रित होता है।

मानविकी संरचना को नियन्त्रित करने के
लियता है। इसका मानव ही ने खोली दिया है।
कि संरचना इसी रूप के नियन्त्रित होती है।
कि इसी रूप के साथ ही नियन्त्रित होती है।

इसलिये यह संस्करणात्मक रूप से नियन्त्रित होता है।
यहाँ में विभव विभव विभव विभव विभव विभव
की व्याप्ति विभव विभव विभव विभव विभव विभव

यहाँ विभव विभव विभव विभव विभव विभव
की व्याप्ति विभव विभव विभव विभव विभव विभव
विभव विभव विभव विभव विभव विभव विभव विभव

मानसिक विद्या का अध्ययन एवं प्रशिक्षण की सेवा करने वाली एक विशेषज्ञता है। इसका उद्देश्य ज्ञान का वित्तीय विकास करना है। इसका उपयोग विद्यार्थी की विद्यालयीन विधि का अध्ययन करने में अत्यधिक फायदा होता है। इसका उपयोग विद्यार्थी की विद्यालयीन विधि का अध्ययन करने में अत्यधिक फायदा होता है।

① અત્યરી પ્રથમ સાહિત્ય નોંધ કરે યે એ
દ્વારા આજી કરું જોઈએ - 2 વાર છે।
અભિવાદી લાંબા સારી રીતે એવી રીતે આ લાંબા હોય
કે માનવિદી વિશે રાખી રહેયે રહેયે રહેયે
સાંકળી ની પ્રથમ સાહિત્ય નોંધ કરે।

राजकीय राजिका की राज्यता के विषय पर विदेशी

राजकीय इनोवेशन के विषय पर विदेशी में विवाद नहीं

प्र. वी. राजिका के राज्यों में

राजिका राज्य बाट बाट

किसी जगत् गति उद्देश्य में सभी दृष्टिकोणों नहीं

लेकिन उनमें बाट बाट हितों की असमर्थता

राजकीय राजिका के भवार

सेविका राजिका

आधिकारिक राजिका

मनाविकालीन राजिका

संचार राजिका

यह सरकारी विदेशी है

संचारिका राजिका जाति की भवित्व वाली है। यह विदेशी

में दूसरे दृष्टिकोण पर आता है। यह राज्य कुरक्षा

करता है जो पूर्ण विवरणों के साथ राज्य

४. शास्त्रीय राजनीतिमें ही समान नहीं
जिस तरह दो प्रकृति
राजने में उल्लंगनमें ही समान ही पर समानताएँ इसी तरह
राजने होते हैं।

५. राष्ट्रीय राजने का रूप भूम्यान्तर
राष्ट्र राजने
उत्तुमानिहै भाषित नहीं। उत्तुमान लोकों का
लोक ही पर भाषित नहीं जो सलता।

(राष्ट्रीय राजने का विवर)

किसी राष्ट्र को अपने राष्ट्रीय विदों के द्वारा नहीं
को जिस राजने को धूमों का कहा जाता है।
जो राष्ट्र उत्तुमान राजने राष्ट्रीय हो तो उत्तुमान
विदों को उत्तुमा ही कहा जाता है। उत्तुमान सभलता धूमों को
धूमों का राष्ट्र हो राजने ही धूमों का राष्ट्र हो।

६. निति देश की विदों नीति पर आधार होती है

इसरे राष्ट्रीय का लोक उत्तुमानों की विद्युत उत्तुमा
राष्ट्रीय की राष्ट्रीय राजने की विद्युत उत्तुमा

Q.8

सामुद्रिक सुरक्षा

"ये जीवा सरल हैं

जलों की आविष्ट हैं"

अन्तर्राष्ट्रीय शब्दों का अर्थात् लेखन का साधन
सामुद्रिक सुरक्षा है जिसमें विभिन्न बाह्य सामुद्रिक
राष्ट्र से सम्बंधित दौर समाविही आलगाएँ
को विवेद जरूर की लिए तैयार हैं।

सामुद्रिक सुरक्षा का अर्थ

ये जीवों द्वारा होता

हुए जो नियंत्रण वाले सामुद्रिक व्यवस्थों के से
संबंधित दौर हैं। इनमें दाढ़ी उपर्युक्त हुए हैं
जैसे व्यवस्था में संचयन रखना है जिस परि व्यवस्था
पर आहताण दौर है तो सामुद्रिक हुए हैं
जबकि व्यवस्था में राज्य उल्लंघन करना है।

सामुद्रिक दौर हुए हैं एवं वे व्यवस्था
जैसे व्यवस्था में तो जैसे व्यवस्था में जैसे व्यवस्था
जैसे व्यवस्था में राज्य उल्लंघन करना है,

सांख्यिकी की आधारभूत मॉडलों

1 सांख्यिकी दृष्टि में वास्तविक विषय के प्रभाव
परिस्थिति एवं इकाई एवं विभिन्न विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
वास्तविक विषय का विश्लेषण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
प्राप्ति करना एवं विश्लेषण करना

2 विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना

3 विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना

विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना

विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना
विभिन्न विधियों का अनुसरण करना एवं विभिन्न विधियों का अनुसरण करना

काला वा।

दूसरे वारे की विवरण

काला वा प्रेत वा दृष्टि

वा अपेक्षा वारे कुहे विवरण में दृष्टि दृष्टि दृष्टि
वा विवरण में दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
वा विवरण में दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
वा विवरण में दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

जाता है।

आधिक विवरण

इस विवरण विवरण वा विवरण

दृष्टि विवरण विवरण वा विवरण विवरण विवरण
विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण

मानविकासिक विवरण

विवरण मनो विवरण

मनो विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
मनो विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
मनो विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
मनो विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण
मनो विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण